**संख्या-274/2018/2430/22-2-2017-17(786)/2017**

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

***कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2*** ***लखनऊ: दिनांक 30 मार्च, 2018***

विषय:- जिला कारागार, मेरठ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी खालिद पुत्र श्री आबिद, निवासी जनपद-मेरठ की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-33908/प्रोबे0-5-द0या0-बैठक 15-09-2017 दिनांक 18-09-2017 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी खालिद पुत्र श्री आबिद निवासी मौ0-मौसमखानी, कस्बा व थाना-किठौर, जनपद-मेरठ का रहने वाला है। बन्दी द्वारा नींव क्षतिग्रस्त हो जाने के विवाद को लेकर दिनांक 03.08.1976 को 10 अन्य सहअभियुक्तों के साथ मिलकर बंदूक से गोली मारकर 01 व्यक्ति की हत्या कर अपराध कारित किया गया है। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-642/1976 में भा0द0वि0 की धारा-147, 302/149 के अन्तर्गत मा0 द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश, मेरठ के आदेश दिनांक 29.06.1982 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। उक्त दण्ड के विरूद्ध मा0 उच्च न्यायालय में क्रि0 अपील सं0-2052/1982 योजित की गयी। उक्त अपील में पारित मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 30.03.2009 द्वारा अपील को निरस्त करते हुए सत्र न्यायालय द्वारा दिये गये आजीवन कारावास की सजा को बहाल रखा गया। बन्दी के 02 सहअभियुक्तों की मृत्यु हो गयी है, 06 सहअभियुक्त दोषमुक्त, 01 सहअभियुक्त फरार हो चुका है तथा 01 सहअभियुक्त कारागार में सजा भुगत रहा है। बन्दी द्वारा दिनांक 31.08.2017 तक 07 वर्ष 10 माह 16 दिन की अपरिहार सजा तथा 10 वर्ष 03 माह 03 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई पर कोई आपत्ति नहीं की गयी है तथा जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा बन्दी की काटी गयी सजा, कारित अपराध की प्रकृति के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि विषयांकित बन्दी खालिद (बन्दी संख्या-6440/10) पुत्र श्री आबिद, निवासी जनपद-मेरठ की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दया याचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक विचारोपरान्त शासन द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करे।

भवदीय,
(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

**संख्या-274/2018/2430(1)/22-2-2017 तद्दिनांक**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मेरठ।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, जिला कारागार, मेरठ।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ ।
4- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(कलाम मुहीउद्दीन)
उप सचिव।

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in